गोपलदासराय निन्नयपाद
गोपलदासराय निन्नयपाद नापॊंदिदॆनो निश्चय
ई पीडिसुव त्रय तापगळॊडिसि कैपिडिदॆन्ननु नी पालिसनुदिन
घोर व्याधिगळ नोडि विजयराय भूरि करुणव माडि तोरिदरिवरॆ उद्धारकरॆंददि नारभ्यतवपाद सारिदॆ सलहॆंदु
सूरिजन संप्रीय सुगुणोद्धार दुरुळन दोष निचयव दूरगैसो दयांबुनिध
निवारिसि करपिडिदु बेगनॆ ।

अपमृत्युविन तरिदॆ ऎन्नॊळगिद्द
अपराधंगळ मरॆदॆ
चपलचित्तनिगॊलिदु विपुळमतियनित्तु
निपुणनॆंदॆनिसिदॆ तपसिगळिंदली
कृपणवत्सल निन्न करुणॆगॆ उपमॆगाणॆनो
संततवु काश्यपियॊळगॆ बुधरिंद
जगदाधिफन किंकरनॆनिसि मॆरॆदॆ ।

ऎन्नपालिसिदंददि सकल प्रपन्नर
सलहो मोदि
अन्यरिगीपरि बिन्नपगैयॆ
जगन्नाथविठलन सन्नुतिसुव धीर ॥

निन्न नंबिद जनरिगीपरि बन्नवॆ
भक्तानुकंपि शरण्य बंदॊदगि समयदि अहर्निशि ध्यानिपॆनु निन्ननु ॥